Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-301

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2022

M.A. Darshan, Semester : Third

दर्शन : प्रश्न-पत्र : द्वितीय

सांख्य-योग - 3

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. स्थूल-स्वरूप-सूक्ष्म-अन्वय-अर्थवत्व के अर्थ तथा तत्संयम-जन्य लाभों की व्याख्या प्रस्तुत करें।
2. क्षणतत्क्रमयोः संयमाद् विवेकजं ज्ञानम् इस सूत्र के तात्पर्य तथा इसके विषयविशेष का व्याख्या प्रदान करें।
3. न भोगाद्रागशान्तिर्मुनिवत् का वर्णन करते हुये वैराग्य के उपाय का सांख्यदर्शन के अनुसार वर्णन करें।
4. आध्यात्मिकादिभेदान्नवधा तुष्टिः, ऊहादिभिः सिद्धिरष्टधा इन सूत्रों का प्रसंगानुकुल व्याख्या प्रदान करें।
5. इतरलाभेऽप्यावृतिः पञ्चाग्नियोगतो जन्मक्षुतेः सांख्य की दृष्टि से इस सूत्र का विस्तार से वर्णन करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×5=25)

6. "तस्माच्छरीरस्य" इस सूत्र के आधार पर भूतो से शरीर सृष्टि का प्रसङ्ग सहित व्याख्या करें।
7. रागोपहतिर्ध्यानम्, वृत्तिनिरोधात् तत्सिद्धिः की व्याख्या करें।
8. "ईदृशेश्वरसिद्धिः सिद्धा" इस सूत्र का पूर्वप्रसङ्गानुसार व्याख्या करें।
9. 'संस्कारसाक्षात्करणात्पूर्वजातिज्ञानम्' इस सूत्र के अर्थ तथा भाष्याभिप्राय का उल्लेख करें।
10. प्रणति ब्रह्मचर्योपसर्पणानि कृत्वा सिद्धिबाहुलकात् इस सूत्र के सारांश लिखें।
11. सोपक्रम और निरुपक्रम कर्म के स्वरूप तथा इसके संयम-जन्य फल का वर्णन प्रस्तुत करें।
12. मैत्र्यादिषु बलानि इस सूत्र के व्यासभाष्य के अनुसार वर्णित बलों का उल्लेख करें।

----------X----------